भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

सैन्य कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2161

04 मार्च, 2020 को उत्तर के लिए

रक्षा सेवाओं में महिलाएं

2161. श्री मितेष पटेल (बकाभाई):

श्री खगेन मुर्मुः

श्री वाई. देवेन्द्रप्पाः

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सेना के तीनों अंगों में कार्यरत महिलाओं की सेवा-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान सेना में शामिल होने वाली महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा महिलाओं की सेना में भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु शुरु की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क) तीनों सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की वर्तमान संख्या निम्नवत् हैः-

भारतीय सेना	6892
भारतीय वायु सेना	1878
भारतीय नौसेना	685

(ख)और(ग) विगत तीन वर्षों एवं वर्तमान वर्ष के दौरान तीनों सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की भर्ती का वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार हैः-

	2017	2018	2019	2020
भारतीय सेना	949	819	364	102
भारतीय वायु सेना	109	86	77	00
भारतीय नौसेना	57	38	54	18 (जारी है)

(घ) पिछले 17 वर्षों के दौरान सैन्य पुलिस में सैनिकों के रूप में महिलाओं की भर्ती हेतु 1700 पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है । इस वर्ष के जनवरी माह से 101 महिलाओं ने सैन्य पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र, बंगलुरू के कोर में अपना प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया है ।

भारतीय वायु सेना की सभी शाख़ाओं/स्ट्रीम्स को महिला अधिकारियों के लिए खुला रखा गया है । सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं के सशक्तीकरण एवं भर्ती की नीति के अनुसरण में, वायु सेना में कैरियर के अवसरों को प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रचारित किया जाता है । वर्ष 2015 में सरकार ने महिलाओं को फ्लाइंग ब्रांच की फाइटर स्ट्रीम में अल्प सेवा कमीशन (एसएससी) ऑफिसर के तौर पर शामिल करने के लिए एक योजना की शुरुआत की है । भारतीय वायु सेना ने आवश्यक जेंडर न्यूट्रल एयर हैडक्वार्टर मानव संसाधन नीति (एचआरपी) को प्रतिपादित किया है जो एसएससी ऑफिसर्स को भारतीय वायु सेना के सभी उद्यमों में स्थायी कमीशन देने पर विचार करने में समर्थ बनाएगी ।

भारतीय नौसेना ने भी वर्ष 1992 में नौसेना बलों की तीन शाख़ाओं को वर्ष 2019 में 11 शाख़ाओं में तब्दील कर, महिलाओं के सेना में शामिल होने के अवसरों में उत्तरोत्तर वृद्धि की है ।

*****